

NCERT SOLUTIONS

CLASS - 11th



aglasem.com

Class : 11th

Subject : History

Chapter : 4

Chapter Name : इस्लाम का उदय और विस्तार (लगभग 570-1200ई.)

Q1 सातवीं शताब्दी के आरंभिक दशकों में बेदुइयों के जीवन की क्या विशेषताएं थी?

Answer. बेदुइयों या बदू से तात्पर्य अरब के ऐसे खानाबदोश पशुचारक समाज से है, जो खाद्य(खजूर) और अपने पशुओं(ऊटों) के लिए चारे की तलाश में रेगिस्तान में सूखे क्षेत्रों में हरे-भरे क्षेत्रों (नखलिस्तान) की ओर आते-जाते रहते थे। बाद में इनका संपर्क काबा की ओर जाने वाले यात्रियों से हुआ, जिससे इनको अपने विश्वासों और रीति-रिवाज को आपस में बांटने का मौका मिला। आगे पैगंबर मोहम्मद की उपलब्धियों से प्रभावित होकर बेदुइयों ने इस्लाम धर्म अपना लिया और उसी समाज में शामिल हो गए।

Page : 103 , Block Name : संक्षेप में उत्तर दीजिये

Q2 'अब्बासी क्रांति' से आपका क्या तात्पर्य है?

Answer. अब्बासी क्रांति के अंतर्गत मुख्यतः उमय्यद शासन को विस्थापित करके अब्बासियों ने शासन की बागडोर अपने हाथ में संभाली और इस्लाम के राजनैतिक एवं सांस्कृतिक ढांचे को परिवर्तित किया। इस क्रांति का आरंभ ईरान के सुदूर पूर्वी क्षेत्रों से हुआ। अब्बासी मूल रूप से मक्का के ही रहने वाले थे और पैगंबर के चाचा अब्बास के वंशज थे। अब्बासियों के शासनकाल में अरबों के प्रभाव में कमी आई और ईरानियों की संस्कृति का महत्व बढ़ गया। अब वासियों ने खिलाफत की धार्मिक नीतियों को मजबूत किया साथ ही इस्लामी संस्थाओं और विद्वानों को संरक्षण प्रदान किया। अब्बासी के शासनकाल में ईरानी संस्कृति का रुतबा बढ़ा। साथ ही अरबों का जो प्रभाव था वो कम हुआ। टेसिफोन के पास अफगान में राजधानी को स्थापित किया गया। गैर-कबाइली तरीके से सेना और नौकरशाही का पुनःस्थापन किया।

Page : 103 , Block Name : संक्षेप में उत्तर दीजिये

Q3 अरबों, ईरानियों व तुर्कों द्वारा स्थापित राज्यों की बहुसंस्कृतियों के उदाहरण दीजिए?

Answer. बढ़ते हुए सत्तावादी राजतंत्र के केंद्रीकरण के रूप में उमय्यद राज्य एक साम्राज्यिक शक्ति बनकर उभरा जोकि सीधे-सीधे इस्लाम पर आधारित तो नहीं था लेकिन इस्लाम ने उमय्यद शासन को वैधता प्रदान की। अब्बासी क्रांति के बाद अरबों का प्रभाव घटने लगा और ईरानी संस्कृति का महत्व बढ़ गया। नवी शताब्दी के आते-आते अब्बासी साम्राज्य कमजोर होने लगा आपसी संघर्षों के परिणाम स्वरूप तुर्की गुलामों का नया गुट बना और बहुत से छोटे-नए राज्य वंश उत्पन्न हो गए आगे बुवाही नामक सिया वंश ने बगदाद पर कब्जा कर लिया। अरबों ने अरब और सीरिया, ईरानियों ने ईरान व इराक और तुर्कों ने खुरासान और आक्सस में अपना शासन जमाया और इस्लाम के प्रचार में अहम भूमिका निभाई। इस तरह अरबों ईरानियों और तुर्कियों द्वारा बहुसांस्कृतिक राज्य स्थापित किए गए।

Page : 103 , Block Name : संक्षेप में उत्तर दीजिये

Q4 यूरोप और एशिया पर धर्मयुद्धों का क्या प्रभाव पड़ा?

Answer. यूरोप और एशिया पर धर्मयुद्धों का निम्न प्रभाव पड़ा-

1-फ्रांस और इटली के सैनिकों ने प्रथम धर्म युद्ध में सीरिया के एंटीऑक और जेरुसलम पर कब्जा करके 'आउटरैमर' की स्थापना और विस्तार किया। आगे के युद्ध इसी क्षेत्र के विस्तार के लिए किए गए। इस दौरान कई निर्मम हत्याएं हुईं। ईसाईयों को फिरंग व इफ्रिजी कह कर संबोधित किया गया। (1098-1099)

2-दूसरे धर्म युद्ध में जर्मन और फ्रांसीसी सेनाओं ने दक्षिण पर कब्जा करने का प्रयत्न किया किंतु वे असफल रहे। परिणामस्वरूप आउटरैमर का विघटन शुरू हुआ। आगे सलादीन ने ईसाईयों के विरुद्ध संघर्ष करते हुए 1187 में जेरुसलम पर कब्जा कर लिया परन्तु अंत में ईसाई तिरथ्यात्रियों को जेरुसलम में का अधिकार मिल गया। (1145-1149)

3-1189 में जेरुसलम को वापस प्राप्त करने के उद्देश्य धर्म युद्ध की शुरुआत हुई लेकिन मिस्र के शासकों ने ईसाईयों को समूचे फिलिस्तीन से बाहर निकाल दिया। (1291)

इन युद्धों ने दोनों ही समाजों पर स्थाई प्रभाव पड़े परिणाम स्वरूप मुस्लिम राज्यों में इसाई प्रजा जनों के प्रति और मुस्लिम राज्यों का कठोर रुख और इटली के व्यापारिक समुदायों का अधिक प्रभाव।

Page : 103 , Block Name : संक्षेप में उत्तर दीजिये

Q5 रोमन साम्राज्य के वास्तुकलात्मक रूपों से इस्लामी वास्तुकलात्मक रूप कैसे भिन्न थे?

Answer. इस्लामिक वास्तुकला रोमन, वेजेन्टाइन, फारसी और अन्य कई क्षेत्रीय कलाओं से प्रभावित थे जिन्हें 7वीं व 8वीं शताब्दी में जीता गया था। इसमें संदेह नहीं है कि इस्लामिक वास्तुकला के नमूने 10 वीं शताब्दी तक दुनिया के सामने उभर कर आ चुके थे। यहां तक कि यात्री उन्हें आसानी से पहचान सकते थे। स्पेन से मध्य एशिया तक फैली हुई मस्जिदें, इबादतगाह और मकबरों का बुनियादी नमूना मिलता जुलता था इस्लाम की पहली शताब्दी में ही मस्जिदों ने एक विशिष्ट वास्तुशिल्पी रूप प्राप्त कर लिया था। मस्जिदों की इमारत में प्रायः दो बड़े कमरे होते थे जिनमें दो विशिष्ट विशेषताएं होती थी एक दीवार में एक मेहराब जो मक्का की दिशा में संकेत करता था और दूसरा मंच जहां से शुक्रवार को दोपहर की नमाज़ के समय प्रवचन होते थे। उमय्यदों ने मरुस्थलीय महल बनवाए। अब्बासियों ने समरा में बागों और बहते हुए पानी के बीच एक नया शाही शहर बनाया जिसका जिक्र हारून अल रशीद से जुड़ी कहानियों में आता है।

रोमन साम्राज्य की वास्तुकला के नमूने निश्चित रूप से रोमन साम्राज्य की चारदीवारी में फले-फूले। अधिकांश रोमन इमारतें कंक्रीट और ईंटों से बनी थीं। आगे सजावट के लिए इनमें संगमरमर और सोने का बड़े पैमाने पर प्रयोग किया गया। खासकर मंदिरों महलों और सार्वजनिक इमारतों थीं। आर्क, गुंबद और वाल्ट रोमन वास्तुकला के विशिष्ट रूप थे।

Page : 103 , Block Name : संक्षेप में निबंध लिखिए

Q6 रास्ते पर पड़ने वाले नगरों का उल्लेख करते हुए समरकंद से दक्षिण तक की यात्रा का वर्णन कीजिए।

Answer. समरकंद से दक्षिण के बीच मुख्य नगरों में बुखारा, मर्व, बगदाद, समारा, आदि नगर आते हैं। ये नगर मुख्य इस्लामिक केन्द्रों के रूप में विकसित हुए हैं।

समरकंद - समरकंद आधुनिक उज्बेकिस्तान का एक नगर है और मध्य एशिया का महत्वपूर्ण शहर है। तुर्क मंगोल शासक तैमूर लंग के साम्राज्य की राजधानी रहा है।

बुखारा - समरकंद के बाद दक्षिण के रास्ते में उज्बेकिस्तान पड़ता है। अरबों द्वारा खुरासान पर कब्जा कर लेने के बाद क्षेत्र में इस्लाम का प्रचार-प्रसार हुआ।

मर्व - सातवीं शताब्दी के आसपास मर्व इस्लामिक केंद्र बन चुका था। अरबों की उम्मयद खिलाफत के दौरान मर्व खुरासान प्रांत की राजधानी रहा

बगदाद - बगदाद वर्तमान इराक की राजधानी है और इस्लामिक सभ्यता और केन्द्रों के इतिहास में अपना विशिष्ट महत्व रखता है। यह मानचित्र में इस्लामिक नगरों में दक्षिण के सबसे पास पड़ता है।

Page : 103 , Block Name : संक्षेप में निबंध लिखिए

aglasem.com